



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 6 अगस्त, 2005/15 भाषण, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

विधि विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 3 अगस्त, 2005

संख्या एल० एल० आर०-ई० (9) 36/2005-लैज.—श्री तरुण पाठक, अधिवक्ता मण्डी उप-मण्डल जिला मण्डी की सीमाओं के भीतर, नोटरी के रूप में नियुक्ति के लिए नोटरी अधिनियम, 1952 (1952 का 53) और उसके अन्तर्गत नोटरी नियम, 1956 के अधीन आवेदन किया है और इस सम्बन्ध में अधिनियम और नियमों द्वारा अपेक्षित सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं;

अतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, जिला मैजिस्ट्रेट, मण्डी की सिफारिशों पर जो, इस निमित्त सक्षम प्राधिकारी हैं, और नोटरी नियम, 1956 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री तरुण पाठक, अधिवक्ता, को मण्डी उप-मण्डल जिला मण्डी की सीमाओं के भीतर तुरन्त प्रभाव से नोटरी पब्लिक नियुक्त करते हैं, तथा यह भी निदेश देते हैं कि इनका नाम सरकार द्वारा इस निमित्त बनाए गए रजिस्टर में दर्ज कर लिया जाए।

आवेश द्वारा,

सुरेन्द्र सिंह ठाकुर,
सचिव (विधि)।

[Authoritative English text of this Department Notification No. LLR-E(9)-36/2005-Leg., dated 2-8-2005 as required under Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

**LAW DEPARTMENT
NOTIFICATION**

Shimla-2, the 2nd August, 2005

No. LLR-E(9)-36/2005-Leg.—WHEREAS Shri Tarun Pathak, Advocate, Mandi has applied for appointment as Notary Public under the Notaries Act, 1952 (53 of 1952) and the Notaries Rules, 1956 made thereunder, within the territorial limits of Mandi Sub-Division of Mandi district.

AND WHEREAS all the formalities required under the said Act and Rules have been completed.

NOW, therefore, the Governor, Himachal Pradesh on the recommendations of the District Magistrate, Mandi, who is a competent authority and in exercise of the powers conferred by section 3 of the said Act, read with rule 8 of the Notaries Rules, 1956 is pleased to appoint Shri Tarun Pathak, Advocate, as Notary Public within the limits of Mandi Sub-Division of Mandi district, Himachal Pradesh with immediate effect with the direction that his name may be entered in the Register of Notaries maintained by the Government.

By order,

SURINDER SINGH THAKUR,
Secretary (Law).